

प्रो. राजेश पाठक
(अर्थ विभाग) 7/8/20
शास्त्री - ISE 7/8/20

7/8/20 एवं विशेषताएं: →

ISE Page -
Shastri - 2020

समाहित प्रश्न एवं उत्तर

साधारण बोलचाल की भाषा में इच्छा (Desire) तथा आवश्यकता (Wants) शब्द का एक ही अर्थ में प्रयोग किया जाता है, किंतु अर्थशास्त्र में आवश्यकता तथा इच्छा में कुछ भेद होता है। साधारण तथा अर्थशास्त्र में समान इच्छाएं आवश्यकता नहीं कहलाती, केवल उन्हीं इच्छाओं को आवश्यकता कहा जाता है, जिन्हें पूरा करने के लिए हमारे पास क्रयशक्ति (Ability) तथा तत्परता (Willingness) हो। अर्थशास्त्र में आवश्यकता के लिए दो बातों का होना आवश्यक है: - I - इच्छा को पूरा करना

II साधन को खर्च करना II साधन को खर्च करने के लिए तत्परता को खर्च करना। इस प्रकार आवश्यकता वह प्रभावपूर्ण इच्छा है, जिसे पूरा करने के लिए मनुष्य को पास पर्याप्त धन हो और साथ ही साथ उस धन को खर्च करने की तत्परता भी हो। जेक्सन के अनुसार -

Wants is that ^{effective} desire for particular things which expresses itself in the effort of sacrifice necessary to obtain them.

- आवश्यकता की विशेषताएं: -
- ① मानवीय आवश्यकता अनन्त होती है। वास्तव में मनुष्य की आवश्यकताएं अनन्त (Infinite) हुआ करती हैं, आवश्यकता का कभी नहीं चरता है।
 - ② प्रत्येक आवश्यकता विशेष की पूर्णतया खतराई की जा सकती है।
 - ③ आवश्यकताओं में आपस में प्रतिस्पर्धा होती है। ④ कुछ आवश्यकताएं एक दूसरे को बूझ डला करती हैं। ⑤ वर्तमान की आवश्यकता भविष्य की आवश्यकताओं की उपेक्षा अधिक महत्वपूर्ण होती है। ⑥ कुछ आवश्यकताओं का को-बो अनुभव होता है। ⑦ कुछ आवश्यकताएं एकलपक्ष हुआ करती हैं।
 - ⑧ कुछ आवश्यकताएं आदत (Habit) बन जाती हैं।
 - ⑨ आवश्यकताएं रीति-रिवाज से भी प्रभावित होती हैं।
 - ⑩ आवश्यकताएं (Wants) बदलती रहती हैं। ⑪ आवश्यकताएं आविष्कारों को प्रोत्साहित करती हैं।

R. U. S. College, Sumbhera (Pune) राजेश पाठक
प्रोफेसर अर्थ

1. विश्व में जनसंख्या की दृष्टि से भारत का स्थान :-
I. प्रथम II. तृतीय III. द्वितीय IV. अष्टम

2. 2011 में जनगणना के अनुसार भारत की आबादी -
I. 85 करोड़ II. 90 करोड़ III. 10 करोड़ IV. 12 करोड़

3. पारवार के प्रकार (2x2x) को वर्गीकृत करने के लिए तीन क्षेत्रों को ध्यान में रखा जाता है।
I. खाद्य उत्पादन II. परिवार नियोजन III. प्रवास IV. खाद्य सुरक्षा के प्रभाव

4. भारत में किस राज्य में जनसंख्या का अत्यंत अधिक है।
I - बिहार II. पश्चिम बंगाल III. उत्तर प्रदेश IV. केरल

5. भारत में कितने वर्षों पर जनगणना हुआ करती है।
I. 5 वर्षों पर II. 15 वर्षों पर III. 10 वर्षों पर IV. 20 वर्षों पर

6. भारत में बढ़ती हुई जनसंख्या इसके कार्यात्मक विकास में :-
I. सहायक है II. आशंका है III. बाधा है IV. कुदृशनी है

7. उच्चारण का लक्षण लक्षण है।
I. आकृति लक्षण II. खंडित लक्षण III. अंगीकृत लक्षण IV. मानवीय लक्षण

8. मानवीय लक्षणों के विकास के लिए भावप्रकृति है।
I. अनुकूलन है II. सहायक है III. विरोध है IV. सहायक है

9. औद्योगिक क्षेत्रों में भारत की स्थिति का वर्णन करें।
I. उच्च है II. स्थिर है III. उच्च है IV. अति उच्च है

10. भारत में मानवीय संसाधनों के विकास की गति है।
I. तीव्र है II. स्थिर है III. उच्च है IV. अति तीव्र है

11. भारत में किस स्थान पर भण्डारण का उत्पादन होता है।
I - महाराष्ट्र में II. तमिल नाडु में III. बिहार में IV. केरल में

12. भारत में भूसाधन का उत्पादन आज भी कतना है।
I. अधिक है II. कम है III. मध्यम है IV. बहुत कम है

1) भारतीय भ्रमण व्यवस्था है - I - विकसित (II) कारि निकायित (III) अल्पनिकायित (IV) विकाराशील

2) भारतीय भ्रमण व्यवस्था में पापी जाती है: - (I) विद्यालय के बीच भ्रमणता (II) प्रभुता के बीच विपुलता (III) प्रभुता के बीच निर्धनता (IV) भ्रमणता के बीच प्रभुता

3) निम्नांकित देश में सबसे अधिक जीव लुप्त हो चुके हैं: - (I) रिक्त जलसंध (II) ग्रेट विडिन (III) अमेरिका (IV) भारत

4) भारत की प्रमुख मासिक समस्यायों के कारणों में - I - मुख्यतः है (II) भ्रमणता है (III) प्रतीति है (IV) आपसी

5) भारत में शहरी निर्धनों की तुलना में ग्रामीण निर्धनों की संख्या: - (I) कम है (II) अधिक है (III) बहुत कम है (IV) बराबर है

6) जो लोग निर्धनता की श्रेणी से उपर्युक्त हैं उन्हें क्या कहा जाता है: - (I) निर्धन (II) धनी (III) निर्धन वर्ग (IV) अनेक प्रकार के

7) जवाहर राजशाही योजना का प्रारंभ हुआ था: - (I) 1989 (II) 1991 (III) 1993 (IV) 1990

8) बेकारी को दूर करने की दिशा में हमारी योजनाएँ (I) पूर्ण सफल रही हैं (II) असफल रही हैं (III) अपेक्षाशील रही हैं (IV) भारतीय

9) देश की प्रमुख मासिक समस्यायों के कारणों में - (I) मुख्यतः है (II) भ्रमणता है (III) बेकारी है (IV) आपसी

10) कृषि क्षेत्र में किस तरह की बेरोजगारी पापी जाती है: - (I) प्रकीर्ण बेरोजगारी (II) दीर्घकालीन बेरोजगारी (III) अल्पकालीन बेरोजगारी (IV) शिथिल बेरोजगारी